tejyug new page_Copy of 28-03-2024--01 (6).qxd 25/11/2024 09:58 PM Page 1

❖ बेलागंज में गाना.... 2 ❖ घर खोदा तो जमीन.... 3 ❖ कटरा में घोड़ा-पिट्ठी.... 5 ❖ वडोदरा टू लंदन... 6

अखबार वो जो दिखाता है सच — हिन्दी दैनिक

तेजयुग न्यूज़

www.tejyug.com

●मंगलवार, 26 नवम्बर,2024
● Tuesday 26, November,2024

स्थापना दिवस 2024
● वर्ष/year: 01 . अंक/issu :85 .पृष्ठ/page :06. मूल्य/rate :3₹
हापुड़ से प्रकाशित/ Publlahed From Hapur

UPHIN/2023/51292

पारा अपडेट

मैक्सिमम	मिनीमम
22.00°c°c	11.00 °C°C

सूर्यास्त (आज) ›› 17.34 बजे
सूर्योदय (कल) ›› 06.28 बजे

सार सुर्खियां

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया.

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया. कोर्ट ने संविधान की प्रस्तावना में 1976 में पारित 42वें संशोधन के अनुसार, ₹समाजवादी₹ और ₹धर्मनिरपेक्ष₹ शब्दों को शामिल करने को चुनौती देने वाली याचिकाओं को खारिज कर दिया.CJI संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने कहा कि संसद की संशोधन शक्ति प्रस्तावना तक भी फैली हुई है. प्रस्तावना को अपनाने की तारीख संसद की प्रस्तावना में संशोधन करने की शक्ति को सीमित नहीं करती है. इस आधार पर, याचिकाकर्ता के तर्क को खारिज कर दिया गया.

टीम इंडिया ने ऑस्ट्रेलिया के सामने 534 रनों का लक्ष्य रखा था

लंदन

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पहले मुकाबले में टीम इंडिया ने ऑस्ट्रेलिया को हरा दिया. भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 295 रनों से शिकस्त दी. टीम इंडिया ने ऑस्ट्रेलिया के सामने 534 रनों का लक्ष्य रखा था, जिसके जवाब में कंगारू टीम 238 रनों पर ऑलआउट हो गई. ऑस्ट्रेलिया के लिए रन चेज में ट्रेविस हेड ने 89 रनों की सबसे बड़ी पारी खेली. इस दौरान भारत के लिए जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज ने 3-3 विकेट झटके.दागी गई. मुद्दे को जल्द से जल्द हल करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं।

मेरठ की एक घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर धड़ल्ले से शेयर हो रहा है, जिसमें दूल्हा लोडर पर किसी फिल्मी हीरो की तरह चढ़ता नजर आ रहा है. इस क्लिप को साझा करते हुए दावा किया जा रहा है कि एक व्यक्ति दूल्हे की माला से नोट तोड़कर भागा था.ऐसे में दूल्हा उसके पीछे दौड़ा तो चोर वाहन से लटक गया और जैसे-तैसे खिड़की के रास्ते अंदर घुस गया. इसके बाद उसने चोर को जमकर पिटा.

www.tejyug.com

बेलागंज में गाना बजाने पर महादलित परिवार की पिटाई

तेजयुग न्यूज

बिहार विधानसभा उपचुनाव के चार सीटों के परिणाम ने आरजेडी को गहरा सदमा दिया है. राष्ट्रीय जनता दल को बेलागंज, इमामगंज, तरारी और रामगढ़ में करारी हार का सामना करना पड़ा है. हालांकि, झारखंड विधानसभा चुनाव में चार सीट जीत दर्ज कर पार्टी ने शानदार वापसी की है. लेकिन, बिहार में एनडीए से मिली करारी हार को आरजेडी समर्थक पचा नहीं पा रहे हैं. इस हार के बाद आरजेडी समर्थक ने बेलगाम हो गए हैं और महादलितों के साथ मारपीट करना शुरू कर दिया है. ऐसे में विपक्षी पार्टियां तेजस्वी यादव के ए टू जेड फॉर्मूले पर अब सवाल उठाना शुरू कर दिया है. बेलागंज में जेडीयू समर्थक महादिलत टोला में भोजपुरी गाना 'यादव के मजा ले ले...' गाना क्या बजा आरजेडी समर्थकों ने दलितों की जमकर पिटाई कर दी.

बेलगांज में एनडीए समर्थित जेडीयू प्रत्याशी मनोरमा देवी की जीत की

खुशी में महादलित समाज के एक परिवार जश्न मना रहा था. इसी दौरान आरजेडी समर्थकों ने उस दलित परिवार के साथ मारपीट करना शुरू कर दिया. इस मारपीट में परिवार के कई लोग घायल हुए हैं. बिहार पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. शुरुआती जांच में पुलिस ने कहा है कि जीत की खुशी में चिराग पासवान से जुड़े गाना बजाने पर यह मारपीट की घटना हुई है. वहीं, आरजेडी समर्थकों का कहना है कि महादलित टोला में जान बूझकर 'यादव के मजा ले ले..' गना बजाकर महादिलत चिढ़ा रहे थे.

आरजेडी समर्थक क्यों हो रहे हैं बेलगाम?

बिहार पुलिस ने कहा है कि यह घटना चंदौती थाना के देगुना गांव का है. मारने वाले लोग एक समुदाय विशेष के लोग थे. दोनों तरफ से मारपीट का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दिया गया है. तीन लोगों की गिरफ्तार हुई है. मामले में दोनों पक्षों से पूछताछ हो रही है. बहुत जल्द और भी नामजद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा.

क्या दलित वोट बैंक आरजेडी से छिटक गया?

इस हमले के बाद पीड़ति परिवार सदमे में है. महालित परिवारों ने आरजेडी समर्थक तालकेश्वर यादव, जामुन यादव, कृष्ण यादव जीतेन्द्र यादव, शैलेश यादव, बब्लु यादव, बिन्दु यादव, महेश यादव, राकेश यादव समेत अन्य लोगों पर मारपीट करने का आरोप लगाया है. पीड़तिं के अनुसार आरजेडी समर्थकों ने घर में घुसकर हत्या के नियत से मारपीट की है. घर में ईंट और पत्थर फेंक कर रोड़ेबाजी की. उनलोगों ने गलत नीयत से कपड़ा भी खींचे. इस दौरान कई लोगों सिर में गंभीर चोटे आई हैं. एक व्यक्ति का हाथ भी तोड़ दिया गया है.

तेजस्वी यादव के ए टू जेड फॉर्मूले का क्या होगा?

पीड़तिं ने कहा है कि आरजेडी समर्थक बर्बरता की सारी हदें को पार करते हुए 8 साल की छोटी बच्ची को भी नहीं छोड़ा. बच्ची भी गंभीर रूप से घायल हो गई है. सभी घायल लोगों को इलाज मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल में चल रहा है. लेकिन, इस घटना ने अब राजनीतिक रंग लेना शुरू कर दिया है. आरजेडी समर्थकों के इस हरकत से तेजस्वी यादव को एनडीए के नेताओं ने घेरना शुरू कर दिया है.

आरजेडी समर्यथकों के इस कृत्य की हर तरफ आलोचना हो रही है. एनडीए के घटक दल बीजेपी, जेडीयू, एलजेपी या उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी ने तो अभी से ही तेजस्वी यादव पर हमला बोलना शुरू कर दिया है. एनडीए तेजस्वी के उनके ए टू जेड फॉर्मूले की याद दिला रहे हैं और बोल रहे हैं कि उनके कथनी और करनी में यही फर्क है. आपको बता दें कि पिछले विधानसभा चुनाव में तेजस्वी ने कहा था की आरजेडी A 2 Z यानी सभी जातियों को साथ लेकर चलने वाली पार्टी बनेगी. लेकिन, बेलागंज की घटना ने आरजेडी को बैकफुट पर ला दिया है.

बेलागंज विधानसभा सीट हारने के बाद आरजेडी समर्थकों के द्वारा महादलित परिवार की पिटाई का मामला अब तूल पकड़ लिया है. क्या तेजस्वी यादव का A टू Z फॉर्मूले की बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में भी निकल जाएगी हवा? पढ़ें यह रिपोर्ट.

घर खोदा तो जमीन के नीचे से निकला एक और खूफिया घर,

तेजयुग न्यूज

जालना जिले के घनसावंगी तालुका के सराफगवन गांव में एक अद्भुत घटना सामने आई है. यहां मकान निर्माण के लिए नींव खोदते समय एक प्राचीन मकान मिला है. स्थानीय लोगों का अनुमान है कि यह निर्माण करीब 150 साल पुराना हो सकता है. पुरानी ईंटों और पारंपरिक निर्माण शैली से यह संभावना जताई जा रही है कि यह अतीत में अनाज भंडारण का खलिहान रहा होगा.

गांव का पुरातात्विक महत्व

सराफगवन गांव में इससे पहले भी प्राचीन मूर्तियां मिलने की घटनाएं हो चुकी हैं. इससे ग्रामीणों में उत्सुकता बढ़ी है, और वे मांग कर रहे हैं कि पुरातत्व विभाग गांव में प्राचीन धरोहरों की खोजबीन करे.

गांव की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि को लेकर अब नए सिरे से चर्चा हो रही है.

मकान निर्माण के दौरान हुआ खोज का खुलासा

घटनास्थल की कहानी छह महीने पहले शुरू हुई, जब गणेश चव्हाण ने गांव में एक जमीन का टुकड़ा खरीदा. यह स्थान पहले एक जर्जर घर था, जिसे लोग नजरअंदाज करते थे. गुरुवार को चव्हाण ने अपने नए घर के निर्माण के लिए जेसीबी से नींव खुदाई शुरू करवाई. जैसे ही खुदाई 6-7 फीट गहरी हुई, जेसीबी ऑपरेटर ने पुरानी ईंटें देखीं. उत्सुकता में कुछ ईंटें हटाई गईं, तो सफेद मिट्टी और पुरानी ईंटों से बना पूरा मकान सामने आ गया.

ग्रामीणों की राय और संभावना

स्थानीय निवासी प्रह्लाद बादलकर के अनुसार, इस निर्माण को लेकर ग्रामीणों के बीच अलग-अलग मत हैं. कुछ का मानना है कि यह "लदनी" या "बालद" हो सकता है, जो पुराने समय में अनाज भंडारण के लिए बनाया जाता था. ग्रामीणों का मानना है कि यह खोज गांव के इतिहास को समझने में मददगार साबित हो सकती है.

पुलिस और पुरातत्व विभाग की जांच

इस घटना की सूचना मिलने के बाद, घनसावंगी समूह विकास अधिकारी और पुलिस की टीम ने घटनास्थल का दौरा किया. उन्होंने मौके की विस्तृत रिपोर्ट तैयार की है, जिसे भारतीय पुरातत्व विभाग को सौंपा जाएगा. पुरातत्व विभाग की टीम इस जगह का निरीक्षण करेगी, और तब तक खुदाई का काम रोक दिया गया है.

गांव की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

सराफगवन गांव का इतिहास भले ही अधिक ज्ञात नहीं है, लेकिन इसके आसपास एक बड़ा मिट्टी का किला हुआ करता था, जो समय के साथ जर्जर हो गया. पहले भी पुल की खुदाई के दौरान भगवान की प्राचीन मूर्तियां मिल चुकी हैं. इस नई खोज से गांव का ऐतिहासिक महत्व फिर से उजागर हो रहा है.

कटरा में घोड़ा-पिट्ठी और पालकी वालों का हंगामा

तेजयुग न्यूज

कटरा. श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के 'रोपवे' प्रोजेक्ट का विरोध बढ़ता ही जा रहा है. हड़ताल के चौथे दिन सोमवार को भी कटरा के भवन मार्ग पर दुकानें बंद रखकर दुकानदारों ने 'रोपवे' प्रोजेक्ट का विरोध किया. दुकानदारों के साथ घोड़ा, पिट्ठी और पालकी वालों ने भी अपना काम बंद रखकर विरोध-प्रदर्शन का समर्थन किया. पंचायत पुराना दारूड के स्थानीय लोग भी दुकानदारों और मजदूरों के समर्थन में आ गए हैं. बताया जा रहा है कि भवन मार्ग के बाणगंगा से लेकर मिल्कबार क्षेत्र तक की सभी दुकानें बंद रहीं. घोड़ा, पिट्ठी और पालकी मजदूरों की हड़ताल के चलते बुजुर्गों और बच्चों के साथ जाने वाले श्रद्धालुओं को परेशानियों का सामना करना पड़ा. मां वैष्णो देवी के दर्शन के लिए जाने वाले श्रद्धालुओं ने पैदल ही यात्रा की.

वहीं, जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में वैष्णो देवी मंदिर तक जाने वाले पैदल मार्ग पर प्रस्तावित 'रोपवे' प्रोजेक्ट के खिलाफ दुकानदारों और मजदूरों द्वारा निकाले गए मार्च के झड़प में तब्दील हो जाने से एक पुलिसकर्मी घायल हो गया. पुलिस के मुताबिक, मार्च के कटरा बेस कैम्प पर पहुंचने के बाद कुछ प्रदर्शनकारियों ने पथराव किया और पुलिस के साथ उनकी झड़प हुई.

पेज एक का शेष दो पर देखे...

वडोदरा टू लंदन...11,325 km की यात्रा साइकिल से पूरी कर रही ये भारतीय महिला

तेजयुग न्यूज

वडोदरा की साहसी निश्या ने अपनी साइकिल यात्रा के 152 दिनों में 11,325 किमी की दूरी तय कर ली है. भारत से लंदन तक की 15,000 किमी लंबी यात्रा के तहत यह उनका सातवां देश है. दो दिन पहले निश्या ने रूस में प्रवेश किया, जहां ठंडी जलवायु ने उनकी यात्रा को और चुनौतीपूर्ण बना दिया. सर्द हवाओं और जमा देने वाले मौसम में साइकिल चलाना उनके साहस को दर्शाता है. एवरेस्ट फतह कर चुकी यह गुजराती लड़की अब तक का सबसे लंबा सफर तय कर रही है.

एशिया से यूरोप का सफर

निश्या की यह यात्रा वडोदरा से शुरू होकर अब यूरोप में प्रवेश कर चुकी है. रूस, जो एशिया और यूरोप दोनों में बसा है, इस यात्रा का महत्वपूर्ण हिस्सा है. यहां के 11 समय क्षेत्रों और विशाल भूभाग ने इस यात्रा को रोमांचक बना दिया है. कजाकिस्तान से गुजरते हुए निश्या ने तेल-समृद्ध क्षेत्रों को पार किया. इस क्षेत्र में ठहरने की उचित व्यवस्था न होने के कारण उन्हें फुटपाथ पर रात बितानी पड़ी. यहां भोजन के रूप में केवल कॉफी ही उपलब्ध थी, क्योंकि बाकी सब मांसाहारी था.

स्थानीय लोगों का सहयोग और भारतीय आतिथ्य

रूस में निश्या को कई जगह स्थानीय लोगों का सहयोग मिला. जहां भी भारतीय लोग मिले, उन्होंने निश्या का स्वागत भारतीय भोजन से किया. स्थानीय लोग उनकी इस साहसिक यात्रा से प्रेरित होकर प्रोत्साहित करते रहे. यहां तक कि कई साइकिल प्रेमियों ने छोटी दूरी तक उनके साथ साइकिल चलाई.

ठंडी जलवायु में नई चुनौतियां

रूस की कड़ाके की ठंड के कारण यात्रा में कई बदलाव करने पड़े. गाइड नीलेश बारोट ने बताया कि गाड़ी का तेल-डीजल, गर्म कपड़े और अन्य उपकरण ठंड के अनुकूल बदले गए. एवरेस्ट विजय के दौरान निश्या की उंगलियों पर हुए शीतदंश के कारण ठंड में उन्हें दर्द का सामना करना पड़ता है, लेकिन यहां मिलने वाले खास हैंडल कवर ने राहत दी.

यात्रा का पर्यावरणीय संदेश

इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य "जलवायु परिवर्तन से पहले परिवर्तन" का संदेश देना है. निश्या ने विभिन्न स्थानों पर पौधे लगाकर पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाई. यात्रा के दौरान स्थानीय लोगों को भी पर्यावरण के लिए प्रेरित किया.

मास्को की ओर बढ़ते कदम

रूस के अस्त्रखान से यात्रा शुरू कर निश्या वोल्वोग्राड होते हुए मास्को की ओर बढ़ रही हैं. इस रोमांचक यात्रा का हर पड़ाव उनकी अदम्य इच्छाशक्ति और साहस को सलाम करता है. यह केवल एक साइकिल यात्रा नहीं, बल्कि प्रेरणा की मिसाल है.

वडोदरा की निश्या ने लंदन तक की 15,000 किमी साइकिल यात्रा में रूस पहुंचकर 11,325 किमी पूरा किया. ठंडी जलवायु, शीतदंश और सीमित संसाधनों के बावजूद उनका पर्यावरणीय संदेश ₹जलवायु परिवर्तन से पहले परिवर्तन₹ प्रेरणा बना हुआ है.

म्यांमार से तेजी से चली आ रही थी बोट, अंदर भरे थे टी बैग

तेजयुग न्यूज

नई दिल्ली. भारत ने समुद्र के रास्ते नार्को टेरेरिज्म को जड़ से खत्म करने का ऑपरेशन शुरू किया है. इंडियन कोस्टगार्ड ने पहले पाकिस्तान की कमर तोड़ी तो अब म्यांमार की बारी है. भारतीय एक्सक्लूसिव इकोनॉमिक जोन यानी EEZ में किसी भी ऐसी एक्टिविटी पर लगाम लगाने के लिए कोस्ट गार्ड ने अपनी कमर कस रखी है और उसी के तहत 23 नवंबर के अंडमान निकोबार के पास कोस्ट गार्ड के डॉर्नियर एयरक्राफ्ट ने भारतीय EEZ में एक संदिग्ध बोट को नोटिस किया.

कोस्ट गार्ड ने तुरंत कार्रवाई करते हुए बोट को रोका और उसकी तलाशी ली. बोट की तलाशी में जो कुछ मिला उसे देखकर कोस्ट गार्ड के अधिकारियों की आंखें फटी की फटी रह गईं. यह पूरी बोट ही

ड्रग से भरी थी.

टी बैग खोलते ही दंग रह गए अधिकारी

सूत्रों के मुताबिक, इस बोट में टी बैग की पेटियां रखी हुई थी और उन टी बैग्स में सफेद पाउडर भरा हुआ था. प्रोटोकॉल के तहत पोर्टेबल टेस्ट किट से जब ड्रग टेस्ट किया गया तो वह सफ़ेद पाउडर कुछ और नहीं, बल्कि ड्रग्स निकला. सूत्रों के मुताबिक, यह ड्रग मेटाफेटामाइन है, जिसे पिंक ड्रग या याबा के तौर पर भी जाना जाता है.

पेज एक का शेष दो पर देखे...